BLOG 01

विकसित भारत 2047 : जिम्मेदारी की नई शुरुआत

आजादी के 75 वर्षों की यात्रा में हमारे देश ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। विज्ञान, तकनीक, कृषि, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य, रक्षा, अंतरिक्ष और सूचना प्रौद्योगिकी—इन सभी क्षेत्रों में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

लेकिन इस प्रगति की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण तत्व आवश्यक है — **विचार परिवर्तन, जिम्मेदारी की भावना और सामूहिक कार्य की मानसिकता।**

जब भारत को स्वतंत्र हुए 100 वर्ष पूरे होंगे, अर्थात वर्ष 2047 में हमारा देश कैसा होगा? यह प्रश्न केवल सरकार के लिए नहीं है। यह प्रश्न हर नागरिक को स्वयं से पूछना होगा। हमें आईने में देखकर खुद से सवाल करना होगा—**मैं विकसित भारत के निर्माण में क्या भूमिका निभा रहा हूँ?**

विकसित भारत का अर्थ केवल ऊँची इमारतें, चौड़े राजमार्ग, तेज रफ्तार ट्रेनें या डिजिटल लेन-देन नहीं है।
विकसित भारत का अर्थ है —

- ✧ जागरूक नागरिक
- ✧ जिम्मेदार समाज
- ✧ मूल्यों पर आधारित राष्ट्र

हम अक्सर कहते हैं —
“सरकार कुछ नहीं करती।”
“प्रणाली ही खराब है।”
“देश ऐसा ही है।”

लेकिन क्या हमने कभी खुद से पूछा है —
“मैं एक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारियाँ निभा रहा हूँ?”

कर भरते समय, मतदान करते समय, कतार में खड़े रहते समय, नियमों का पालन करते समय, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करते समय, भ्रष्टाचार को नकारते समय — क्या मैं भारत के लिए ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाता हूँ?

वर्ष 2024 में जन्म लेने वाली पीढ़ी कल हमसे पूछेगी —
"आपके पास समय था, अवसर था, स्वतंत्रता थी… फिर आपने भारत के लिए क्या किया?"

उस प्रश्न का उत्तर हमें आज से तैयार करना होगा।

यह BLOG किसी की आलोचना करने के लिए नहीं है।
यह किसी राजनीतिक विचारधारा का प्रचार नहीं है।
यह लेखक के विचार हैं — एक ऐसे नागरिक के विचार जो अपने देश को जिम्मेदारी और मूल्य आधारित दृष्टिकोण से देखता है।

संभव है, इस BLOG को पढ़ते समय आपको असहजता महसूस हो। संभव है, आप स्वयं से कुछ कठिन प्रश्न पूछें। और यदि ऐसा होता है, तो यही इस पुस्तक की सफलता होगी। क्योंकि परिवर्तन की शुरुआत अक्सर असहजता से ही होती है।

यदि हर भारतीय यह संकल्प ले कि —
"मैं अपने घर से, अपने कार्य से, अपनी ईमानदारी से भारत का निर्माण करूँगा,"
तो "विकसित भारत 2047" केवल एक नारा नहीं रहेगा, बल्कि एक सजीव वास्तविकता बन जाएगा।

यह भारत केवल सरकार का नहीं है।
यह भारत आने वाली पीढ़ियों का है।
और इसे गढ़ने की जिम्मेदारी हमारी है।

तो आइए —
प्रश्न पूछें।
उत्तर खोजें।
और मिलकर भारत का निर्माण करें।

विकसित भारत 2047 — आज से, अभी से।